गर्भवती महिला के पेट की जाँच व फण्डल हाईट जाँचना

Abdominal Examination and Fundal Height

उद्देश्य

- गर्भावस्था के विकास के बारे में जानना।
- गर्भस्थ शिशु की वृद्धि का पता लगाना।
- गर्भस्थ शिशु की Position and Presentation के बारे में जानना।
- गर्भस्थ शिशु के हृदय की धड़कन (Fetal Heart Sound) ज्ञात करने की विधि के बारे में जानना।

आवश्यक सामाग्री

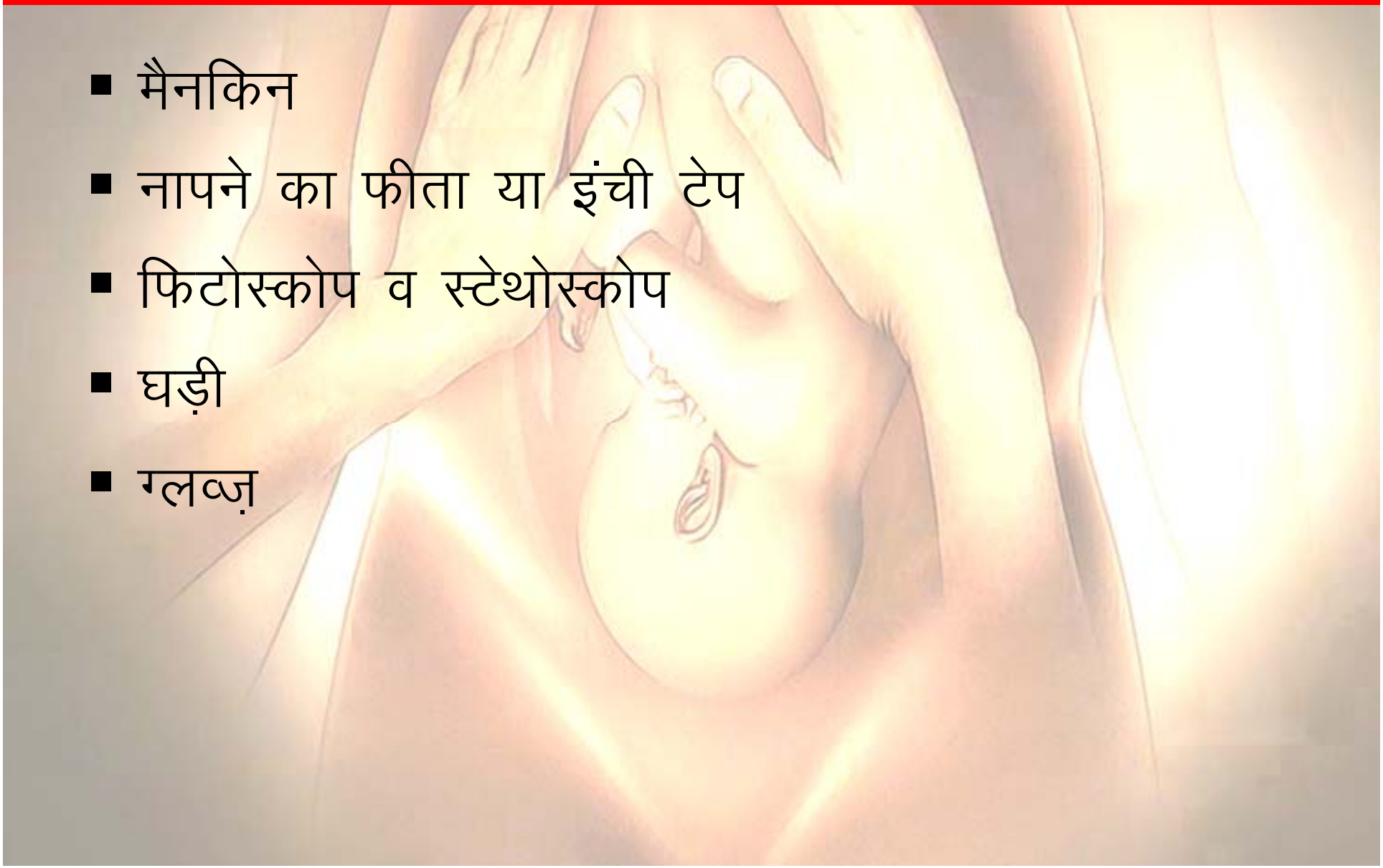

- मैनकिन
- नापने का फीता या इंची टेप
- फिटोस्कोप व स्टेथोस्कोप
- घड़ी
- ग्लव्ज़

परिचय

गर्भवती महिला की समय पर पेट जाँच एवं फण्डल हाईट जाँचने से गर्भवास्था के विकास के बारे में सही जानकारी मिलती है एवं गर्भस्थ शिशु का विकास सही प्रकार से हो रहा है या नहीं का आंकलन किया जाता है, जिससे समय पर सही निर्णय लिया जा सके।

क्यों : इससे माँ एवं नवजात शिशु को होने वाले खतरों एवं मृत्यु से बचाया जा सकता है।

विधि

- गर्भवती महिला की गोपनीयता का ध्यान रखें।
- जांच करने से पूर्व महिला को पेशाब करके आने के लिए कहें।
- आरामदायक एवं सही स्थिति मे लेटाएं।
- महिला की जाँच के दौरान नर्स दाहिनी ओर खड़ी हो तथा उसके साथ बातचीत करती रहे।
- जांच के दौरान नर्स के हाथ गर्म हों।

गर्भावस्था का विकास

काल्पनिक रेखाओं के माध्यम से गर्भावस्था के सप्ताह का पता लगाना

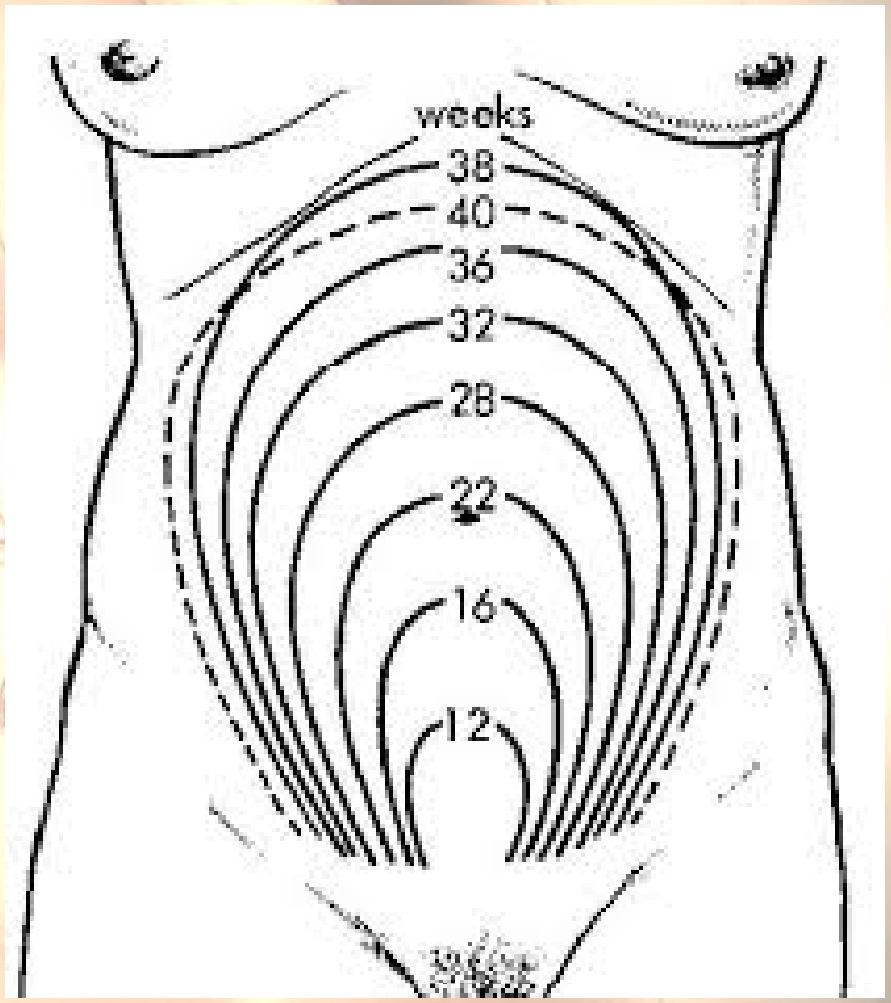

इंची टेप से फण्डल हाईट जानना

1 गर्भस्थ शिशु के 24 सप्ताह के होने के बाद ही इंची टेप द्वारा हाईट का पता लगाया जा सकता है।

2 फण्डस की 24 सप्ताह के बाद जितनी उँचाई सेमी. में नाभि से ऊपर होगी, उतने ही सप्ताह का गर्भ होगा।

इंची टेप से फण्डल हाईट जानना

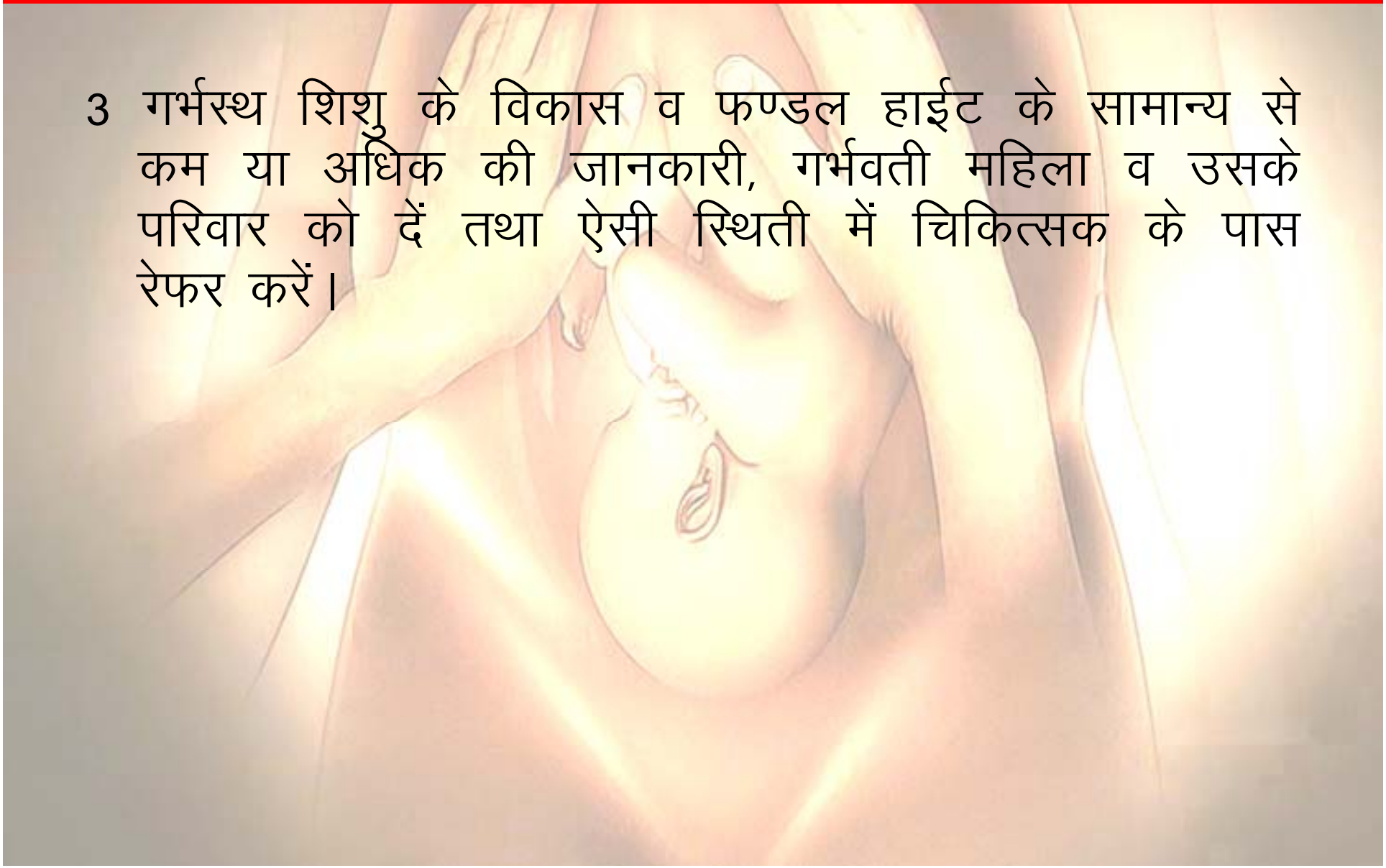

3 गर्भस्थ शिशु के विकास व फण्डल हाईट के सामान्य से कम या अधिक की जानकारी, गर्भवती महिला व उसके परिवार को दें तथा ऐसी स्थिती में चिकित्सक के पास रेफर करें।

गर्भस्थ शिशु की Position & Presentation

- Fundal Grip
- Lateral Grip
- Pelvic Grip 1st
  (Superficial Grip)
- Pelvic Grip 2nd
  (Deep Grip)

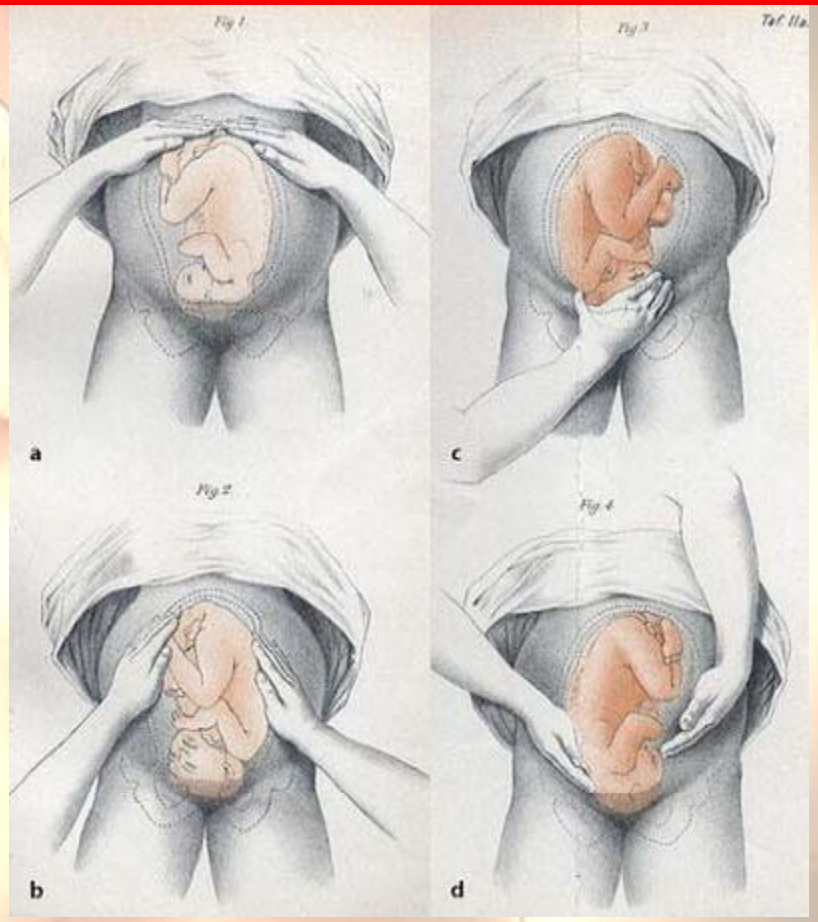

Fundal Grip

Lateral Grip

Pelvic Grip 1st (Superficial Grip)

Pelvic Grip 2nd (Deep Grip)

गर्भस्थ शिशु के हृदय की धड़कन जानना

1 गर्भस्थ शिशु की सामान्य/असामान्य स्थिति का पता लगाने के लिए उसकी हृदय की धड़कन की जांच की जाती है।

2 गर्भस्थ शिशु की हृदय की धड़कन की जांच के लिए फिटोस्कोप/स्टेथोस्कोप, घड़ी की जरूरत होती है।

3 फण्डल एवं लेटरल ग्रिप कर शिशु की पीठ की स्थिति ज्ञात करें।

4 गर्भस्थ शिशु की स्थिति (Position) के अनुसार सही बिन्दू पर फिटोस्कोप रखें।

गर्भस्थ शिशु के हृदय की धड़कन जानना

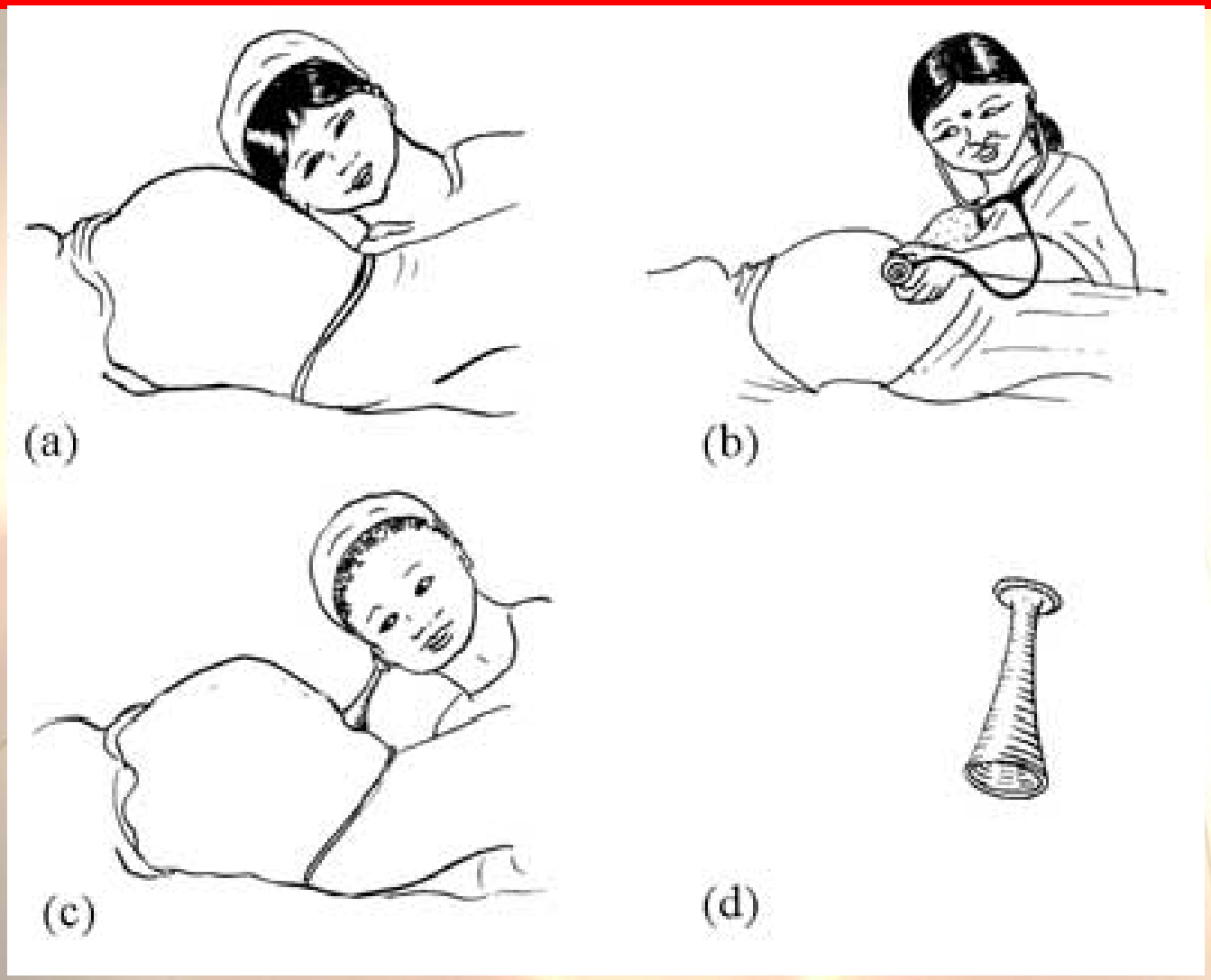

गर्भस्थ शिशु के हृदय की धड़कन जानना

5 एक मिनट तक गर्भस्थ शिशु की हृदय की धड़कन गिनें।

6 फिटोस्कोप/स्टोथोस्कोप की सहायता से 24 सप्ताह या उसके बाद ही गर्भस्थ शिशु की हृदय की धड़कन सुनें।

7 गर्भस्थ शिशु की हृदय की धड़कन की सामान्य दर 120–160 प्रति मिनट होती है। इससे अधिक या कम धड़कन की स्थिति में गर्भवती महिला को रेफर करें।

सारांश

गर्भवती महिला के गर्भावस्था के विकास, फण्डल हाईट एवं गर्भस्थ शिशु की हृदय की धड़कन की समय पर जाँच से गर्भवती महिला एवं गर्भस्थ शिशु की स्थिति का सही–सही आँकलन होता है, जिससे समय रहते सही निर्णय लिया जा सकता है।

धन्यवाद